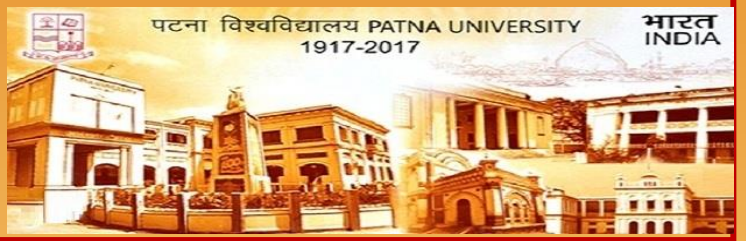

Patna University In News (12.05.2023)

दैनिक जागरण

सभी विश्वविद्यालयों के वार्षिक बजट को जल्द मिलेगी स्वीकृति

शिक्षा विभाग ने सीनेट से पारित बजट की समीक्षा शुरू की, तिलका मांझी भागलपुर विवि के कुलसचिव का काटा जाएगा एक दिन का वेतन

राज्य ब्यूरो, पटना : राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के वार्षिक बजट को जल्द स्वीकृति दी जाएगी। शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों की सीनेट से पारित बजट की समीक्षा शुक्रवार से शुरू कर दी है। उच्च शिक्षा निदेशालय की मंजूरी के बाद ही विश्वविद्यालयों की तरफ से आये बजट की राशि जारी की जायेगी। पिछले दिन हुई समीक्षा बैठक में तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के बजट की समीक्षा में उसके कुलसचिव नहीं आये। इस पर उच्च शिक्षा निदेशक डा. रेखा कुमारी ने आपत्ति दर्ज कराते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिया है।

उच्च शिक्षा निदेशक के मुताबिक सभी विश्वविद्यालयों को बता दिया गया है कि संबंधित विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को बजट समीक्ष बैठक में आना अनिवार्य है। अन्यथा मीटिंग के दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की जायेगी। समीक्षा बैठक के संदर्भ में मिली जानकारी के मुताबिक कामेश्वर सिंह दरभंगा संष्कृत विश्वविद्यालय का समीक्षा नहीं हो सका है। उसका औपचारिक तौर पर बजट नहीं आया है।

पूर्णिया विश्वविद्यालय ने बजट समीक्षा के लिए अलग से तिथि ली है। ऐसे कई और विश्वविद्यालयों ने बजट की समीक्षा के लिए तिथि ली है। इसकी वजह से उच्च शिक्षा निदेशालय ने बजट समीक्षा की अंतिम तिथि 17 मई तक बढ़ा दी है।

पीयू : आज से भरें बीएड सेकेंड इयर परीक्षा फॉर्म

पटना. पटना यूनिवर्सिटी ने बीएड पार्ट टू (2021-23) सेकेंड इयर परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी है. परीक्षा फॉर्म 12 से 16 मई तक भर सकते हैं. लेट फाइन के साथ परीक्षा फॉर्म 17 से 19 मई तक भर सकते हैं. लेट फाइन 50 रुपये प्रत्येक दिन के हिसाब से देना होगा. फॉर्म ऑनलाइन भरा जायेगा.

प्रभात खबर
Fri, 12 May 2023
https://epaper.prabhatkhabar.cc

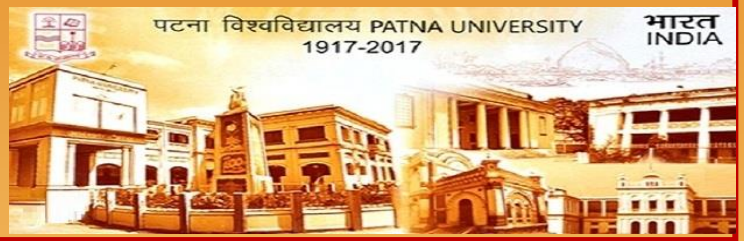

Patna University In News (12.05.2023)

हिन्दुस्तान

मगध महिला कॉलेज में परिचर्चा आयोजित

पटना। मगध महिला कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से गुरुवार को आजादी के अमृत महोत्सव के तहत परिचर्चा हुई। 'भारतीय ज्ञान परंपरा और अवधारणा लोकतंत्र' विषय पर प्राचार्या प्रो. डॉ नमिता कुमारी ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक परंपरा और स्वशासन में अग्रणी रहा है।

अविनाश कुमार झा ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था वैदिक काल से प्रारम्भ हुई। सभा और समिति का उल्लेख ऋग्वेद और अथर्ववेद दोनों में मिलता है। विभाग की प्रमुख डॉ. पुष्पलता कुमारी ने लोकतंत्र की संकीर्ण अवधारणा पर बातें रखी।